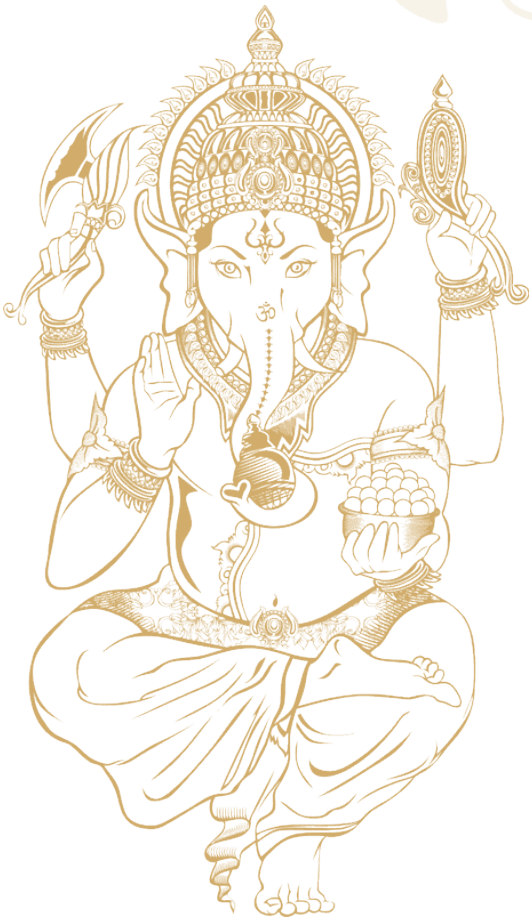

Dhruv Agarwal

Akansha Agarwal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120757701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120757701 Date: 30/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/02/1995	जन्म तिथि	25/10/1997
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:35:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 29:03:09	जन्म समय(घटी)	08:48:59 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Beri
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:44:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:44	सूर्योदय	06:30:53
18:12:51	सूर्यास्त	17:44:09
23:47:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:30
सिंह	लग्न	वृश्चिक
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	सिंह
बुध	राशि-स्वामी	सूर्य
हस्त	नक्षत्र	मघा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	1
शूल	योग	शुक्ल
बव	करण	वणिज
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
महिष	योनि	मूषक
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मूषक

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 2मा 16दि		11:12:35	सिंह	लग्न	वृश्चि	21:53:00	केतु 6वर्ष 11मा 29दि	
राहु		05:36:55	कुंभ	सूर्य	तुला	07:58:14	सूर्य	
06/05/2009		13:43:03	कन्या	चंद्र	सिंह	00:00:19	24/10/2024	
07/05/2027		26:34:39	कर्क व	मंगल	वृश्चि	24:59:38	24/10/2030	
राहु	17/01/2012	12:08:05	मक	बुध	तुला	15:21:54	सूर्य	10/02/2025
गुरु	12/06/2014	18:58:09	वृश्चि	गुरु	मक	18:44:31	चन्द्र	12/08/2025
शनि	18/04/2017	21:47:46	धनु	शुक्र	वृश्चि	24:34:19	मंगल	18/12/2025
बुध	05/11/2019	19:19:28	कुंभ	शनि व	मीन	21:55:18	राहु	11/11/2026
केतु	23/11/2020	14:06:22	तुला व	राहु	सिंह	25:10:59	गुरु	31/08/2027
शुक्र	24/11/2023	14:06:22	मेष व	केतु	कुंभ	25:10:59	शनि	12/08/2028
सूर्य	17/10/2024	04:28:11	मक	हर्ष	मक	10:57:38	बुध	18/06/2029
चन्द्र	18/04/2026	00:32:56	मक	नेप	मक	03:25:39	केतु	24/10/2029
मंगल	07/05/2027	06:45:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:22:50	शुक्र	24/10/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:33 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:30

लग्न-चलित

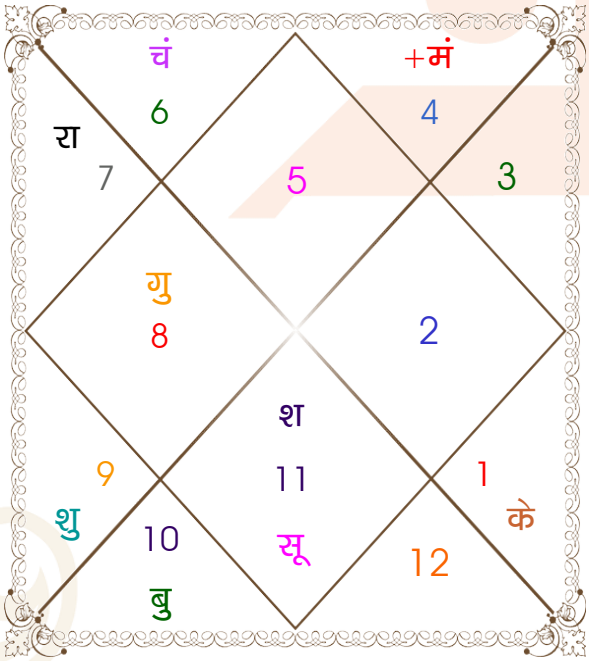

लग्न-चलित

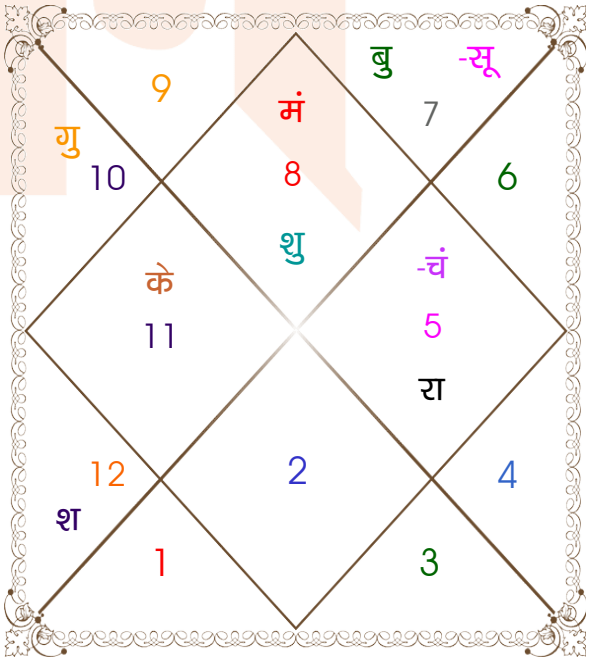

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

कुल : **16.5 / 36**

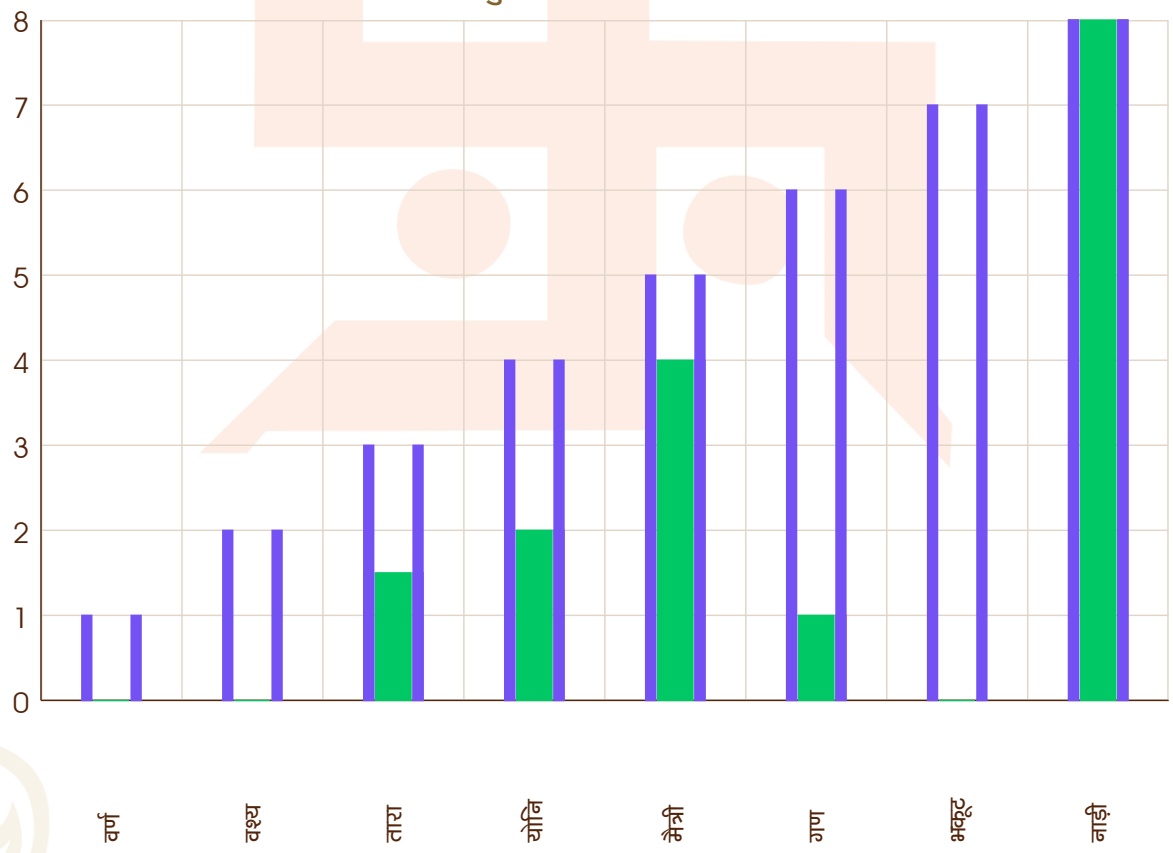

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

कीतनअ ।हंतूंस का वर्ग मेष है तथा ।ंदीं ।हंतूंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

कीतनअ ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल कीतनअ ।हंतूंस कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल कीतनअ ।हंतूंस कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।ंदीं ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल ।ंदीं ।हंतूंस कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु कीतनअ ।हंतूंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

मंगलीक दोष कट जाता है।

कीतनअ ।हंतूंस तथा ।ंदीं ।हंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

कीतनअ ।हंतूंस का वर्ण वैश्य है तथा ।ंदीं ।हंतूंस का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि ।ंदीं ।हंतूंस का वर्ण कीतनअ ।हंतूंस के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप ।ंदीं ।हंतूंस अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। ।ंदीं ।हंतूंस को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

कीतनअ ।हंतूंस का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ।ंदीं ।हंतूंस का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि कीतनअ ।हंतूंस हमेशा ।ंदीं ।हंतूंस से भय महसूस करेगा। ।ंदीं ।हंतूंस हमेशा कीतनअ ।हंतूंस पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। ।ंदीं ।हंतूंस हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

तारा

कीतनअ ।हंतूंस की तारा क्षेम तथा ।ंदीं ।हंतूंस की तारा वध है। ।ंदीं ।हंतूंस की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह कीतनअ ।हंतूंस एवं ।ंदीं ।हंतूंस दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। ।ंदीं ।हंतूंस अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

कीतनअ ।हंतूंस की योनि महिष है तथा ।ंदीं ।हंतूंस की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में कीतनअ ।हंतूंस का राशि स्वामी ।ंदीं ।हंतूंस के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि ।ंदीं ।हंतूंस का राशि स्वामी कीतनअ ।हंतूंस के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

कीतनअ ।हंतूंस का गण देव तथा ।ंदीं ।हंतूंस का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में ।ंदीं ।हंतूंस निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। ।ंदीं ।हंतूंस की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

कीतनअ ।हंतूंस से ।ंदीं ।हंतूंस की राशि द्वादश भाव में स्थित है ।ंदीं ।हंतूंस से कीतनअ ।हंतूंस की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में कीतनअ ।हंतूंस परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु ।ंदीं ।हंतूंस का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। ।ंदीं ।हंतूंस की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही ।ंदीं ।हंतूंस तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

कीतनअ ।हंतूंस की नाड़ी आद्य है तथा ।ंदीं ।हंतूंस की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। कीतनअ ।हंतूंस की आद्य नाड़ी तथा ।ंदीं ।हंतूंस की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

कीतनअ ।हंतूंस की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा ।ांदीं ।हंतूंस की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं अग्नि तत्व में असमानता होने के कारण कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस के स्वाभाविक गुणों में विषमता रहेगी फलतः दाम्पत्य संबधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

कीतनअ ।हंतूंस की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा ।ांदीं ।हंतूंस की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र एवं समभाव में पड़ते हैं। अतः यदि कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस थोड़ा सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तथा एक दूसरे को पूर्ण सम्मान सहयोग तथा सुख प्रदान करने के लिए तत्पर रहें तो उनका वैवाहिक जीवन सुखी हो सकता है। साथ ही इसके प्रभाव से कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे संबधों में मधुरता बनी रहेगी परन्तु ।ांदीं ।हंतूंस की उदासीन प्रवृति यदा कदा कीतनअ ।हंतूंस के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस की जन्म राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। यह भकूट दोष माना जाता है अतः इसके प्रभाव से कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस की मानसिकता में असमानता रहेगी तथा किसी भी कार्य को एकमत से सम्पन्न करने में परस्पर असहमति का भाव रहेगा। साथ ही ।ांदीं ।हंतूंस की क्रोधी प्रवृति भी संबधों में तनाव एवं कटुता का वातावरण उत्पन्न करेगी। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए उपरोक्त बातों की उपेक्षा करनी चाहिए।

कीतनअ ।हंतूंस का वश्य मानव तथा ।ांदीं ।हंतूंस का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं वनचर के मध्य शत्रुता एवं विषमता का भाव रहता है। अतः कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे के प्रतिकूल रहेंगे। जिससे शारीरिक संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ से होंगे।

कीतनअ ।हंतूंस का वर्ण वैश्य तथा ।ांदीं ।हंतूंस का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कीतनअ ।हंतूंस धनार्जन एवं वणिक बुद्धि से कार्य करने में तत्पर रहेंगे लेकिन ।ांदीं ।हंतूंस की प्रवृति पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने की रहेगी फलतः यदा कदा कार्य क्षेत्र संबधी विषमता स्पष्ट दृष्टि गोचर होगी।

धन

कीतनअ ।हंतूंस और ।ांदीं ।हंतूंस की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा परन्तु इनकी जन्मराशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो कि भकूट दोष माना जाता है। साथ ही मंगल का भी ।ांदीं ।हंतूंस पर अशुभ प्रभाव रहेगा जिससे इनको धनार्जन अवश्य होगा परन्तु यदा कदा आर्थिक दृष्टि से उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

भकूट दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव से कीतनअ ।हंतूंस की प्रवृति अनावश्यक रूप से धन व्यय करने की होगी जिससे इनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी तथा समय समय पर धनाभाव का भी सामना करना पड़ेगा। अतः कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस को चाहिए कि ऐसी प्रवृतियों पर यत्नपूर्वक नियंत्रण रखें।

स्वास्थ्य

कीतनअ ।हंतूंस आद्य तथा ।ंदीं ।हंतूंस अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। कीतनअ ।हंतूंस की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि ।ंदीं ।हंतूंस की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ।ंदीं ।हंतूंस के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ।ंदीं ।हंतूंस को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ।ंदीं ।हंतूंस को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार कीतनअ ।हंतूंस और ।ंदीं ।हंतूंस का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

।ंदीं ।हंतूंस के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए ।ंर्दी ।हंतूंस को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी ।ंर्दी ।हंतूंस को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी ।ंर्दी ।हंतूंस के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार ।ंर्दी ।हंतूंस का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

कीतनअ ।हंतूंस तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में कीतनअ ।हंतूंस के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह कीतनअ ।हंतूंस को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही कीतनअ ।हंतूंस के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण कीतनअ ।हंतूंस के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com